गुजरात पत्रिका

दिनांक : 28 मार्च, 2009

संपादिका : विद्या पसारी

विश्व संवाद केन्द्र – गुजरात

2, मयुर चेम्बर्स, गांधीग्राम रेलवे स्टेशन के सामने, अहमदाबाद - 380 009.

फोन : (079) 26579301, फेक्स : (079) 26579220

E-mail : vskguj@icenet.co.in, info@vskgujarat.com

Website : www.vskgujarat.com

उत्खनन करते मिला बौद्ध स्तूप

गुजरात राज्य के पुरातत्व विभाग द्वारा 'वडनगर' के 'घासकोल' दरवाजे पर चल रहे पुरातत्त्वीय उत्खनन में 'बौद्ध स्तूप' मिला । कुछ दिनों पहले उत्खनन में 'बौद्ध विहार' मिला था, बाद में आगे बढ़ते हुए उत्खननमें बौद्ध स्तूप का स्थान दृष्टिगोचर हुआ है । अभी विहार के ईशान कोने से मिले स्तूप के चौरस प्लेटफोर्म जैसे थे वैसे ही है, किन्तु शिखर का गोल भाग खंडित है ।

इस उत्खनन में बौद्ध स्तूप से अति प्राचीन और अति महत्त्वपूर्ण अवशेष प्राप्त हुए हैं । बौद्ध स्तूप तीन प्रकार के होते हैं जिसमें भौतिक शारीरिक और उद्देशिक प्रकारों का समावेश होता है । वडनगरमें मिला स्तूप उद्देशिक प्रकार का है । किसी बौद्ध भक्त की मनकी इच्छा पूरी होने पर धार्मिक आस्था से वह इस प्रकार के स्तूप की रचना करता था ।

मिले हुआ स्तूप नीचे से एक पर एक रचे हुए चौकोर प्लेटफोर्म के आकार का है जिसका शिखर गोल है। एक मीटर की गोलाई का भाग विशिष्ट प्रकार की ईटो से बनाया गया है जो खंडित है । शास्त्रीय तरीके के इस भाग को 'अंड' कहा जाता है ।

इस शोध से स्पष्ट होता है कि, ई.स. प्रारंभ की सदियोंसे वडनगर बौद्ध धर्म का महत्त्वपूर्ण केन्द्र था । बौद्ध स्थापत्य में स्तूप का बहुत महत्त्व है । स्तूप स्थापत्य महापुरूषों की अस्थि राख तथा भौतिक चीजों को गाड़कर उस पर खड़ा किया जाता है । भिक्षुओं द्वारा उसकी पूजा अर्चना की जाती है ।

श्रीलंका के अनुराधापुर बौद्ध प्रोजेक्ट से पिछले पंद्रह सालों से जुड़े ब्रिटन के दुरहम विश्व विद्यालय के वाइस चान्सलर और बौद्ध विशेषज्ञ प्रोफेसर रोबिन कर्निंगहम, भारतीय पुरातत्व विभाग के डॉ. आर. एस. कोनिया और भारतीय पुरातत्व विभाग के संयुक्त महानिदेशक बौद्ध विद्वान डॉ. बी. आर. भगी इन लोगोंने इस जगह की मुलाकात ली और इसके बौद्ध स्तूप होने का समर्थन दिया ।

राजगीरी करनेवाली गंगाबेन को एक्सपर्ट इन मेशनरी वर्क्स ॲवार्ड

भारत सरकार के योजना आयोग पच द्वारा स्थापित सी.आई.डी.सी. की ओर से नई दिल्ली में प्रथम विश्वकर्मा ॲवार्ड समारंभ का आयोजन किया गया था । इस में अहमदाबाद में राजगीरी (Massion) और कोन्ट्रेक्टर का काम करनेवाली श्रीमती गंगाबेन वाणिया को सी.आई.डी.सी. की ओर से सर्टीफाइड स्किल, 'मल्टीस्किल राजगीरी कामदार साहसिकता' का ॲवार्ड दिया गया। इस समारंभ में श्रीमती इला भट्ट को बाँधकाम क्षेत्र में 'सोश्यो अपलिफ्टमेन्ट' के लिए 'लाइफ टाइम अचीवमेन्ट फॉर सोश्यल अपलिफ्टमेन्ट' ॲवार्ड एनायत दिया गया ।

श्री गंगाबेन वाणिया बचपन से राजगीरी का काम 35 से 40 रु. की मजदूरी लेकर करती थी । शादी के बाद उन्हें काम के लिये घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई । पाँच वर्ष बाद उनकी शादी टूट गई और वे अपने माता-पिता के संग रहने लगी । वहाँ रहकर उन्होंने अपने बचपन के काम को शुरू किया और धीरे धीरे उसमें निपुणता प्राप्त की । और इस निपुणता को नवाजा गया ॲवार्ड से ।

गेसीया अवार्ड 2009

गुजरात इलेक्ट्रोनिक्स ॲन्ड सोफ्टवेर इन्डस्ट्रीडा असोसिएशन (GISIA) को नास्कोम डॉ. गणेश नटराजन के अध्यक्ष पद से विभूषित समारंभ में गेसीया ॲवार्ड 2009 एनायत किया गया । गेसीयाने राज्य की आई.टी.

इकाइयों के लिए रेफरन्स गाईड के रूपमें ऑनलाइन आई.टी. डिरेक्टरी की राइजिंग स्टार ॲवार्ड और नेटवेल सॉफ्टवेर प्रा.ली. को बेस्ट सॉफ्टवेर कं. का अवार्ड दिया गया । सांई इन्फो सिस्टम (India) Ltd. को गुजरात की श्रेष्ठ कम्प्युटर हार्डवेर सीस्टम इन्टीग्रेटर कं. का अवार्ड दिया गया ।

स्वैच्छिक रक्तदान में गुजरात का प्रथम क्रमांक

रक्तदान ही महादान है यह गुजरात की जनताने साबेत कर दिया है । गुजरात की जनताने गत वर्ष 5,90,000 युनिट रक्तदान कर गुजरात को गौरवन्वित किया है । स्वैच्छिक रक्तदान में भारतभर में गुजरात प्रथम क्रमांक पर है । समग्र भारत में 100 बार रक्तदान करनेवाली केवल पाँच महिलायें हैं, जिनमें अहमदाबाद की केतकी शाह का समावेश है ।

सरकार द्वारा 100 प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रयत्न किए जा रहे हैं । स्वैच्छिक रक्तदान में महाराष्ट्र प्रथम क्रमांक पर था किन्तु गत दो सालों से 71 प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान कर गुजरात प्रथम क्रमांक पर है। गुजरात में 100 और सौ से ज्यादा रक्तदान करनेवाले कुल 29 व्यक्ति हैं ।

विज्ञान का मानना है नियमित रक्तदान करने से हार्ट अटेंक की संभावना 50 प्रतिशत कम हो जाती है ।

"नौ घण्टो में 2244 सूर्यनमस्कार"

भारतीय संस्कृति प्राकृतिक तत्वों की किसी न किसी रूपमें पूजा करना सिखाती है । सूर्य को केवल अग्नि का गोला न मानकर शक्ति का पुंज माना गया है । इस विचार को दृढ करने के लिए सूर्योपासना महत्त्वपूर्ण है । और सूर्योपासना का एक भाग है सूर्यनमस्कार ।

तक्षशिला विद्यालय - हलवद (जि. सुरेन्द्रनगर) में सूर्यनमस्कार स्पर्धा आयोजित की गई थी । कक्षा 4 से कक्षा 12 तक के कुल 360 विद्यार्थियोंने इस स्पर्धा में भाग लिया था । प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विभाग में से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय क्रमांक दिये गए थे । इन विजेताओं ने नौ घण्टों में दो हजार दो सौ चवालीस सूर्यनमस्कार कर रेकार्ड कायम किया ।

तैराकी में श्रद्धा पटेल की अनोखी सिद्धि

अहमदाबाद की नवरंग स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़नेवाली श्रद्धाने अपनी उमर के चौथे साल से तैराकी में चंद्रक प्राप्त करना शुरू किये, वह सिलसिला आज भी चल रहा है । अभी तक श्रद्धा को गोल्ड, सिल्वर, ब्रोन्ज के कुल 112 मेडल मिल चुके हैं ।

नौ राज्यो में लहरायेंगे गुजराती झंडे-बेनर

देहली महाराष्ट्र राजस्थान में शासन बेशक कॉंग्रेस पार्टी की सरकार का है, लेकिन वहाँ इस लोकसभा चुनाव के झंडे-बेनर पहुँचेंगे गुजरात से । मध्यप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तरप्रदेश, बिहार और झारखंड़ की चुनावी जंग में गुजरात का बोलबाला रहेगा । राज किसी का भी होगा, लेकिन सत्ता पर पहुँचाने में गुजरात की भूमिका काफी अहम होगी । लोकसभा चुनावों में उपयोग में लिए जानेवाले झंडे-बैनर, मफलर, टोपी, होर्डिंग्स बैनर प्रचार सामग्री की यह बात है ।

सबसे बड़े नौ राज्यों की चुनाव प्रचार सामग्री को गुजरात में तैयार किया जा रहा है । अहमदाबाद के करीब 1 लाख लोगों को रोजगार का जरिया मिल गया है । वे रात-दिन चुनाव प्रचार सामग्री बनाने में जुटे हुए हैं।

यह सामग्री बनाने में पूरा परिवार जुट जाता है ।

उम्र 18 पद बैंक मैनेजर

गुजरात के होनहार राज्य का नाम विश्व के कोने-कोने में फैला रहे हैं । गुजरात की गौरवगाथा तथा अस्मिता की महक नवसारी के रवि हेमंतभाई सांवलिया ने भी विदेश की जमीं पर फैलाई है ।

रवि ने १८ साल की छोटी सी उम्र में होटल से लेकर बैंक मैनेजर तक का सफर तय किया है । ब्रिटेन

की सिटी ऑफ संदरलैंड कॉलेज के इंटरनेशनल प्रॉस्पेक्टस में रवि ने प्रथम स्थान हासिल किया था । अपनी विलक्षण प्रतिभा के कारण वह १८ वर्ष की उम्र में हीं बैंक मैनेजर बन बैठा । रवि हेमंत की इस उपलब्धि से प्रभावित इंग्लैंड के प्रधानमंत्री गोर्डन ब्राउन ने रवि को सम्मानित किया है । मध्यम परिवार में बड़े हुए रवि के पिता हिंमतभाई सावलिया मकान निर्माण व्यवसाय साथ जुड़े हैं । उनका कहना हैं कि रवि बचपन से ही मेधावी था । कक्षा दसवीं की परीक्षा के बाद विदेश में अध्ययन के लिए ली गई आईईएलटीएस ब्रिटिश काउंसिल २००५ परीक्षा में सात बैंड लाकर एक्सीलेंट प्रोग्रेस का प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए ओवरसीज बैंक का मार्गदर्शन मिला । बाकी कमी नवसारी की स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया तथा कृषि युनिवर्सिटी ने लोन देकर पूरी कर दी । सिटी ऑफ संदरलैंडर कॉलेज में रवि सावलिया सबसे कम उम्र के भारतीय थे । रवि ने ए लेवल के दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रथम रह कर प्रमाणपत्र हासिल किया । सितम्बर २००७ में भी रवि ने बिजनेश एंड ह्यूमन रिसर्च मैनेजमेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया । रवि की मेहनत रंग लाई और उसे लोयड्ज टीएसबी बैंक में सबसे छोटी उम्र में मैनेजर के रूप मे नौकरी हासिल की है । रवि पढ़ाई के साथ नौकरी कर रहा है ।

अल्प संख्यकों का तुष्टीकरणा संविधान की उपेक्षा

– न्यायमूर्ति रामा जोयस (नि.)

पंजाब उच्चन्यायालय के के मुख्य न्यायाधीश (से.नि.) व झारखंड बिहार के पूर्व राज्यपाल रहे निवृत्त न्यायमूर्ति श्री रामा जोयस ने उक्त उद्‌गार कर्णावती में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में व्यक्त किये ।

न्यायमूर्ति रामा जोयस 'भारतीय विचार मंच' गुजरात द्वारा प्रकाशित पुस्तक ''यू.पी.ए. सरकार और अल्प संख्यक तुष्टीकरण की नीति (U.P.A. Government and Policy of Minority Apeasement-English) के विमोचन कार्यक्रम में अध्यक्ष एवं विमोचनकर्ता के रूप में बोल रहे थे ।

भारतीय संविधान में अल्पसंख्यक बहुसंख्यक की अवधारणा को स्पष्ट करते हुये उन्होंने बताया कि संविधान की धारा 15 और 16 में सभी को जाति, पंथ, भाषा, प्रान्त के भेदभाव के बिना समानता, बंधुत्व और स्वतंत्रता के भौतिक अधिकार दिये गये हैं । यह अधिकार किसी को कुछ ज्यादा नहीं है । सिर्फ अनुसूचित जाति वजन जाति के कुछ प्रावधानों के सिवाय संविधान में अल्पसंख्यकों के किसी भी विशेषाधिकार का उल्लेख नही है। श्री रामा जोयसने संविधान की धारा 30, 30A व 31 का उल्लेख करते हुये स्पष्ट किया कि ये धारायें भाषाकीय व धार्मिक अल्प संख्यकों को अपनी पंसद की शैक्षणिक संस्थायें स्थापित करने व संचालित करने का संरक्षण (Protection) देती हैं । परंतु यह संरक्षण अधिकार नहीं है । उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ये संरक्षण बहुसंख्यकों के भौतिक अधिकार छीनने की चाबी नहीं बन सकते । यह बात उच्चतम न्यायालय ने अपने अनेक मामलों के निर्णय में स्पष्ट की है । Protection संबंधित समुदाय की भलाई के लिये है उनका विपरीत प्रभाव (Reverse effect) में उपयोग नहीं किया जा सकता ।

अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण देश विभाजन की नई भूमिका है । सच्चर समिति की सिफारिशों ने इसमें आग में घी नहीं, पेट्रोल का काम किया है । श्री रामा जोयसने बताया कि लोगों का विभाजन देश के भौगोलिक विभाजन से भी खतरनाक है । दुर्भाग्य से केन्द्र व राज्यों में अबतक लगभग 60 वर्ष तक रही कॉंग्रेस व कॉंग्रेसनीत सरकारें निर्लज्जता पूर्वक यही करती आई हैं । इसके लिये उन्होंने संविधान में भी ताड़-मरोड़ की है । श्री जोयस ने कहा ''भारत तोड़ो'' के इस माहौल में हमें ''भारत जोडो'' के लिये संघर्ष करना होगा । न्यायमूर्ति श्री रामा जोयस के साथ अतिथि विशेष के तौर पर गुजरात उच्चन्यायलय के निवृत्त न्यायमूर्ति बी. जे. शेठना भी उपास्थित थे। उन्होंने कहा कि कॉंग्रेस को सिर्फ मुस्लिम अल्प संख्यक ही दिखते हैं । पारसी व अन्य बहुत छोटी संख्यावाले अल्प संख्यक नहीं दिखते क्योंकि वे वोट बैंक नहीं बन पाते ।